>

Title: Need to ensure proper repair and maintenance of railway bridges on Ratlam-Khandwa railway line in Madhya Pradesh.

श्रीमती सुमित्रा महाजन (इन्दौर): रतलाम-खण्डवा मीटर गेज खण्ड करीब 125 वर्ष पुराना रेल मार्ग है जिस पर अनेक महत्वपूर्ण पुल, पुलिया तथा बोगदे निर्मित हैं। पुलों का रखरखाव पूर्व से ही उचित रूप से नहीं हो रहा है और विशेषतः आमान परिवर्तन की स्वीकृति के पश्चात इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मैंने विगत वर्ष तथा अनेकों बार अन्यथा भी इस संबंध में रेलवे बोर्ड महाप्रबंधक पश्चिमी रेलवे तथा माननीय रेल मंत्री महोदय को भी अवगत कराया था। इन पुलों के रखरखाव में हो रही त्रुटियों के कारण कभी भी गंभीर हादसा होने की संभावना बनी रहती है और ऐसा ही एक हादसा केवल गैंगमैन की सतर्कता से पिछले माह होते-होते बचा है। महू से चलकर रतलाम की ओर जाने वाली यात्री गाड़ी को फतेहाबाद बडनगर के मध्य स्थित पुल से गुजरना था जिसमें दरारें आई थी और मिट्टी का क्षरण भी हुआ था। समय रहते उक्त वस्तु स्थिति गैंगमैन के दृष्टि में आने से उसके द्वारा यात्री गाड़ी को रोका गया तथा यात्री गाड़ी को कई किलोमीटर पीछे की ओर यात्रा करनी पड़ी। यह इस बात का द्योतक है कि भाग के कारण ही सैंकड़ों यात्रियों के प्राण बच पाए और यह भी दर्शाता है कि रखरखाव की ओर किस तरह अनदेखी की जा रही है। ऐसे ही महत्वपूर्ण पुल तथा बोगदे इंदौर से खण्डवा के मध्य पातालपानी, कालाकुण्ड बडवाह, सनावद व अन्य स्थानों पर स्थित है जिनके रखरखाव की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है जहां तक वस्तु स्थिति से मैं अवगत हूं इंदौर-खण्डवा आमान परिवर्तन का कार्य आगामी 10 वर्षों में भी पूर्ण नहीं होगा। ऐसा प्रतीत होता है कि यदि ऐसी स्थिति आगे भी बनी रही तो कभी भी जनहानि होने की संभावना है।

मैं माननीय रेल मंत्री महोदय से अनुरोध करूंगी कि कृपया संबंधित अधिकारियों को न केवल इनके उचित रखरखाव, नवीनीकरण तथा चौकसी के आदेश दिए जावे वरन समय-समय पर इस संबंध में विशेषज्ञों द्वारा जांच भी कराई जावे। मैं रेल मंत्री से यह भी निवेदन करना चाहूंगी कि इस संबंध में केवल परंपरागत उत्तर से अलग हटकर वास्तविक स्थिति को स्वीकार करते हुए सुरक्षा के उचित कदम उठाए जाने चाहिए।